राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 16.00 संख्या 102
जहरीले
नागराज
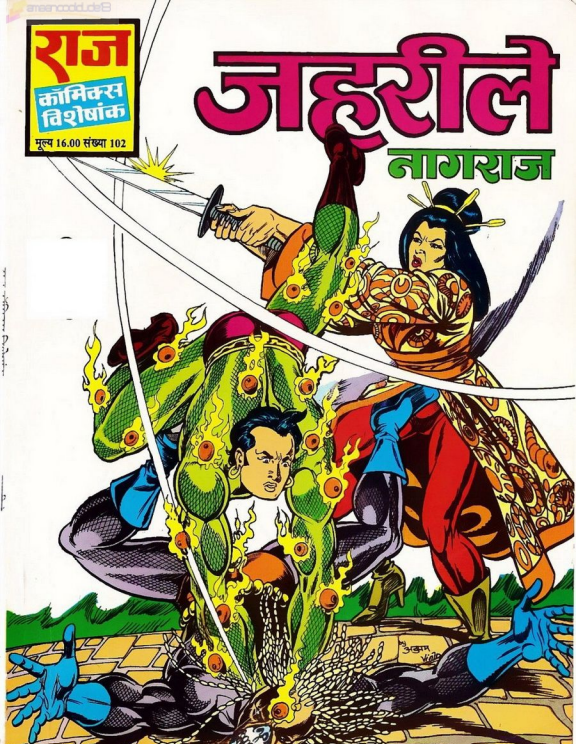
Rajput
Book -2
जहर- वह वस्तु या पदार्थ, जिसे खाने से किसी जीवित प्राणी की हानि पहुंच सके या जान जा सके। इस जहर के कई प्रकार हो सकते हैं, और कई रूप। कभी दवाइयां भी गलत समय पर खा लेने से जहर साबित होती हैं, और कभी गलत भोजन करना भी जानलेवा साबित हो जाता है-
और ऐसा कोई भी जहर धारण करने वाला कहलाता है, जहरीला-
जहर तुझमें भी है नागराज और जहर मुझमें भी है। और तेरा विष, मेरे विष से थोड़ा सा ही ज्यादा तेज है, ऐसा दुनिया वालों का मानना है!...
...आज ये फैसला हो ही जाए कि संसार का सबसे जहरीला प्राणी तू है या मैं!
तेरा जहर निर्दोषों की जान लेता है नागदन्त! और मेरा जहर उनकी रक्षा करता है।...
... तू मुझसे कभी जीत नहीं सकता...
... क्योंकि मारने वाले से बचाने वाला हमेशा बड़ा होता है!
©RAJA POCKET BOOK
1

... इतना बड़ा !
हांऽ?
मार डालेगा ! नागराज मुझे मार डालेगा।...
... मुझे भागना होगा...
... भागना होगा ! पर कहां? पीछे वह मुझे कुचलने आ रहा है। और आगे जमीन कांप रही है। कुछ जमीन के नीचे से निकल रहा है...
... ड्रैगन ! यह तो आग उगलता ड्रैगन है।...
... और इसकी जहरीली सांस मुझे अपनी तरफ खींच रही है।

मैं रुक नहीं पा रहा हूं। मैं इसकी तरफ खिंच रहा हूं। आ... आऽऽऽ
आऽऽऽ हऽऽऽ
आह! अह! ... हैं? मैं सपना देख रहा था। नागराज के हाथों मिली शिकस्तों ने मेरे दिमाग पर इतना गहरा असर डाला है कि अब वह दुष्ट मुझे नींद में भी आकर परेशान कर रहा है। और... और मैं सपने तक में उससे मार खा रहा हूं। और वह भी अपने सपने में।
लेकिन ऐसा क्यों? मैं नागराज से हमेशा हारता क्यों हूं? जबकि हम दोनों की शक्तियों में ज्यादा फर्क नहीं है। हम दोनों ही हैं...
जहरीले
कथा एवं चित्र: अनुपम सिन्हा
इंकिंग: विट्ठल कांबले
सुलेख एवं रंग: सुनील पाण्डेय
सम्पादक: मनीष गुप्ता
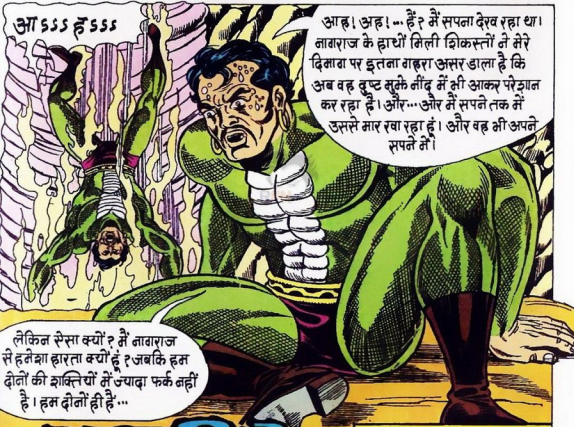
मुझे नागमणि ने एक दूसरे नागराज के रूप में तैयार किया था। ताकि मैं नागराज को खत्म कर सकूं। लेकिन मैं अपनी जिन्दगी का असली मकसद अभी तक पूरा नहीं कर पाया...
... और यही है मेरी बेचैनी का कारण। ऐसे जीने का कोई फायदा नहीं। आज या तो मैं नागराज को मार डालूंगा या खुद मर कर इस समस्या को हमेशा के लिए खत्म कर दूंगा।
आज इस खेल का फैसला हो ही जाएगा।
इधर नागदन्त, नागराज को नष्ट करने के लिए निकल रहा था-
और उधर नागराज की खोज में कोई और महानगर में प्रविष्ट हो रहा था-
यही वह नगर है, जहां पर मुझे मिली सूचना के मुताबिक नागराज रहता है।
अब समस्या यह है कि इतने बड़े नगर में उसे ढूंढ़ा कैसे...
आहा! लगता है चीन से सीधी चली आ रही हो।...
इसे देखकर ही पता लग रहा है कि इनको 'चीनी' क्यों कहते हैं? देखने से ही मीठी लग रही है।...
सिर्फ देखने से स्वाद नहीं पता चलता नाली के कीड़ो...
...अभी मैं तुझे स्वाद चखा देती हूं। तेरे खून का स्वाद।...

तड़ाक
... मैं सोच ही रही थी कि नागराज का पता कैसे लगाऊं। लेकिन तुम लोगों ने मेरी मुश्किल आसान कर दी।...
... नागराज का वास्ता तुम जैसे कीड़ों से ही पड़ता है। इसी लिए तुम मुझे बता सकते हो कि नागराज मुझे कहां मिल सकता है।
आह! नागराज कहां रहता है, यह किसी को नहीं पता। लेकिन पूरे महानगर में उसके जासूस सर्प घूमते रहते हैं। सिर्फ वे ही मानसिक सम्पर्क द्वारा यह पता कर सकते हैं कि नागराज कहां पर है।
शाबाश! तुम लोग अपनी औकात काफी जल्दी समझ गए। नागराज के सांपों को ढूंढना तो मेरे लिए बच्चों का खेल है। लेकिन तुम लोगों की उपयोगिता अब मेरे लिए खत्म हो चुकी है।...
... और मैं यह नहीं चाहती कि फिलहाल तुम लोग किसी को मेरे बारे में बताओ।...
... इसीलिए मैं हिन्दुस्तानी तरीके से तुम लोगों का क्रियाकर्म कर देती हूं।
उस रहस्यमय मणि की किरणों के छूते ही दोनों के शरीर धधक उठे-

मुझे नागमणि ने एक दूसरे नागराज के रूप में तैयार किया था। ताकि मैं नागराज को खत्म कर सकूं। लेकिन मैं अपनी जिन्दगी का असली मकसद अभी तक पूरा नहीं कर पाया...
... और यही है मेरी बेचैनी का कारण। ऐसे जीने का कोई फायदा नहीं। आज या तो मैं नागराज को मार डालूंगा या खुद मरकर इस समस्या को हमेशा के लिए खत्म कर दूंगा।
आज इस खेल का फैसला हो ही जाएगा।
इधर नागदन्त, नागराज को नष्ट करने के लिए निकल रहा था-
और उधर नागराज की खोज में कोई और महानगर में प्रविष्ट हो रहा था-
यही वह नगर है, जहां पर मुझे मिली सूचना के मुताबिक नागराज रहता है।
अब समस्या यह है कि इतने बड़े नगर में उसे ढूंढ़ा कैसे...
आहा! लगता है चीन से सीधी चली आ रही हो!...
इसे देखकर ही पता लग रहा है कि इनको 'चीनी' क्यों कहते हैं? देखने से ही मीठी लग रही है!...
सिर्फ देखने से स्वाद नहीं पता चलता नाली के कीड़ो...
...अभी मैं तुझे स्वाद चखा देती हूं। तेरे खून का स्वाद!...

तड़ाक
... मैं सोच ही रही थी कि नागराज का पता कैसे लगाऊं। लेकिन तुम लोगों ने मेरी मुश्किल आसान कर दी। ...
... नागराज का वास्ता तुम जैसे कीड़ों से ही पड़ता है। इसीलिए तुम मुझे बता सकते हो कि नागराज मुझे कहां मिल सकता है।
आह! नागराज कहां रहता है, यह किसी को नहीं पता। लेकिन पूरे महानगर में उसके जासूस सर्प घूमते रहते हैं। सिर्फ वे ही मानसिक सम्पर्क द्वारा यह पता कर सकते हैं कि नागराज कहां पर है।
शाबाश! तुम लोग अपनी औकात काफी जल्दी समझ गए। नागराज के सांपों को ढूंढ़ना तो मेरे लिए बच्चों का खेल है। लेकिन तुम लोगों की उपयोगिता अब मेरे लिए खत्म हो चुकी है। ...
... और मैं यह नहीं चाहती कि फिलहाल तुम लोग किसी को मेरे बारे में बताओ। ...
... इसीलिए मैं हिन्दुस्तानी तरीके से तुम लोगों का क्रियाकर्म कर देती हूं।
उस रहस्यमय मणि की किरणों के छूते ही दोनों के शरीर धधक उठे—

और वह चीनी स्त्री, उन सुलगते मांस के लोथड़ों पर बगैर नजर डाले एक तरफ बढ़ गई-
वक्त बहुत कम है। सुन ची अब यहां पर किसी भी वक्त पहुंच सकता है। और उसके यहां तक पहुंचने से पहले ही मुझे नागराज का काम तमाम कर देना है। मुझे जल्दी से जल्दी नागराज के किसी सर्प को ढूंढ़ना होगा!
यह रहस्यमय स्त्री, जिस शख्स की तलाश में महानगर आई थी-
वह फिलहाल किसी और स्थान पर पहुंचने वाला था- किसी और रूप में-
हा हा हा! तुम्हें बंधक बनाने पूरे समाचार का बड़ा फायदा हुआ है मेयर! जगत के लोग यहां जमा हो गए हैं।
य... ये आतंकवादी आखिर चाहते क्या हैं, निशा? पूरे मीडिया को यहां पर बुला लिया, लेकिन मांगें अभी तक नहीं बताईं?
तुम तो डर के मारे यहां से भागने का बहाना ढूंढ़ रहे हो राज! थोड़ा धीरज रखो, अभी सब पता चल जाएगा!
इस बारे में हम सिर्फ नागराज से बात करेंगे। उसको बुलाओ यहां पर हमारे सामने!
तुम्हारी शर्त के मुताबिक पूरा मीडिया, इस गिराई जाने वाली इमारत के पास इकट्ठा हो गया है।
अब बताओ, मेयर साहब को छोड़ने के लिए तुम लोग क्या चाहते हो?
य... ये लोग नागराज को बुला रहे हैं। अब नागराज आएगा, स... सांप छोड़ेगा। म... मेरी तबीयत खराब हो रही है निशा!
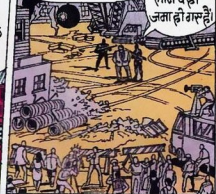
ओफ्! पता नहीं, सांप का नाम सुनते ही तुमको क्या हो जाता है राज? सांप कोई तुमको खा थोड़े ही जाएगा।
क... कहीं खा गया तो? म... मैं तो चला!
राज के रूप में छिपे नागराज को डरने की नायाब एक्टिंग करनी ही पड़ी-
क्योंकि उसको नागराज के रूप में घटनास्थल पर आना ही था-
बोल भई! मुझसे क्या काम आ पड़ा?
बताते हैं। फिलहाल तो तुम वहीं पर रुक जाओ। और सांप-वांप छोड़ने की कोशिश मत करना।
वर्ना इस मेयर की खोपड़ी उड़ा दूंगा।
ठीक है! पर आखिर तुम लोग चाहते क्या हो?
इस पूरे समाचार जगत के सामने तुम्हारी मौत नागराज...
तड़ाक
...एक दर्दनाक मौत!
और इस वजन के नीचे दबकर, मौत से बच पाना असंभव था-
हा हा हा! खत्म हो गया नागराज! इतनी आसानी से। और पूरे समाचार माध्यम के सामने।...
...और मरते दम तक ये यही समझता रहा कि हम मेयर को मारना चाहते हैं।
नागराज के कुछ समझ पाने से पहले ही इमारत को गिराने वाली टनों भारी 'आयरन बॉल' उस पर गिर चुकी थी-

हमने नागराज को खत्म करके 'महानगर अंडरवर्ल्ड' द्वारा दिया गया कांट्रैक्ट पूरा कर दिया है। और वह भी इतने सारे पत्रकार गवाहों के सामने। अब यह सबूत देने की जरूरत नहीं है कि नागराज को किसने मारा।
अब हमको चुपचाप यहां से निकल जाने दो। सुरक्षित जगह पर पहुंचने पर मेयर को रिहा कर दिया जाएगा... तब तक पुलिस कोई हमला करने की कोशिश न करे।
कुछ करिए इंस्पेक्टर! क्या नागराज के हत्यारों को आप यूं ही भाग जाने देंगे।
जब तक मेयर साहब उनके कब्जे में हैं तब तक हम कुछ नहीं कर सकते। लेकिन ये हमारे चंगुल से बच नहीं पाएंगे। यह मेरा वादा है।
कार, भागने के लिए स्टार्ट तो हुई, लेकिन-
अरे! ये गुंडे अपने-आप बाहर कैसे आ गिरे?
अगले ही पल सवाल का जवाब गाड़ी से बाहर निकल आया-
नागराज! तू तो ऑयरन बॉल के नीचे दब गया था। हमने तेरे दबे पैर भी देखे हैं। त... तू बच कैसे गया?
बच गया है तो फिर मरेगा। इसके बदन को जाल बना दो!...
... गोलियों से भूनकर!

तुम लोग यह जानते तो जरूर होगे कि मुझ पर गोलियों का असर नहीं होता, लेकिन शायद घबराहट में भूल रहे हो।...
... वैसे भी तुमने 'ऑयरन बॉल' के नीचे दबे मेरे पैर नहीं, बल्कि मेरे जूते देखे हैं।...
... सही पूछो तो तुम लोग वास्तव में बहुत मूर्ख हो।
... जब तुमने मुझे ठीक 'ऑयरन बॉल' के नीचे रुकने के लिए कहा, तभी मैं तुम्हारी चाल को तुरन्त भांप गया था। और मैंने एक हाथ को पीठ के पीछे करके कलाई से सांप टपकाने शुरू कर दिए थे।...
जब तुमने चेन को गोलियों से तोड़ा, तब तक मेरी सर्प सेना, जमीन के अन्दर से इतना पोला कर चुकी थी कि मैं एक लात से जमीन की ऊपरी सतह को तोड़कर, नीचे बनी सुरंग में घुस जाऊं।... और मैंने यही किया। बॉल के नीचे सिर्फ मेरे जूते दबे, और मैं सर्प सेना द्वारा बनाई गई सुरंग के दूसरे छोर से बाहर निकलकर कार में आकर बैठ गया...
धाड़
तड़ाक
... अब तुम लोग यह 'रहस्य' जानकर आराम से बेहोश हो सकते हो!

काम पूरा हो जाने के बाद नागराज वहां पर नहीं रुका-
वाह! नागराज! तुमने आज एक और कमाल कर दिखाया।
रुको, नागराज! हमको तुम्हारा भी बयान लेना है।
बाद में इंस्पेक्टर! फिलहाल मेरा कहीं और पहुंचना जरूरी है।...
... निशा के पास! अब नागराज जा चुका है तो राज को वापस घटनास्थल पर पहुंच जाना चाहिए।
क... क्या हुआ निशा? नागराज चला गया क्या?
हां, चला गया। और तुम एक बहुत जोरदार कारनामा देखने से वंचित रह गए।
अरे, जान रही तो बहुत कारनामे देखेंगे।
फिलहाल तो यहां से चलो। अब यहां पर क्या धरा है!
हां, चलो! कहीं नागराज एक-आध सांप न छोड़ गया हो। जो तुमको खा जाए।
नागराज ने तो सांप वहां पर नहीं छोड़े थे। लेकिन महानगर में कोई और सांपों की बाढ़ लाने की तैयारी में था-
और यह 'कोई और' था...

...नागदन्त-
आज मैं नागराज को ढूंढने नहीं जाऊंगा। इस बार मैं इतनी तबाही मचाऊंगा कि नागराज को खुद ही मुझे ढूंढते हुए मेरे पास आना पड़ेगा।
जाओ मेरे नागो! खोद डालो इस पूरे शहर को। खोखली कर दो इन गगनचुम्बी इमारतों की नींवें। फाड़ दो पानी, सीवर और गैस की लाइनें। आज ये महानगर जलेगा। तबाह होगा। इस महानगर को, नागराज को यहां रखने की कीमत चुकानी होगी!
RAJ
बिजली का एक खंभा अपना आधार खोकर गिरा। एक मोहल्ले की बिजली गायब हो गई-
और साथ ही साथ महानगर की तबाही का आगाज हो गया-
नागों द्वारा खोखली की जा चुकी सड़कें, अब अपनी छाती पर दौड़ती गाड़ियों का बोझ संभालने लायक नहीं थी-
गाड़ियां, सड़कों के अन्दर धंसती चली गईं-
गैस की भूमिगत पाइपलाइनों से कुकिंग गैस रिसने लगी, और इलेक्ट्रिक-स्पार्कों के कारण उसमें आग लगने लगी-

आग की लपटें, गाड़ियों के पेट्रोल टैंकों तक पहुँचते ही धमाकों के साथ गाड़ियों का फटना भी शुरू हो गया-
तबाही का एक आश्चर्यजनक मंजर उपस्थित हो गया था। कहीं कुकिंग गैस के रिसाव से आग के फव्वारे फूट रहे थे, तो बगल में ही वॉटर पाइप के फटने से पानी की मोटी धार के झरने बह रहे थे-
शाबाश मेरे नागों! इसको कहते हैं तबाही! और अगर नागराज अभी भी न आया...
...तो अगला निशाना होगा इन मकानों की नीवें!
नागराज, ज्यादा दूर पर नहीं था-
वह क्या है राज?
आग की लपट है, निशा! कहीं भीषण आग लगी है!...
...हमको उधर ही चलना चाहिए!...
...शायद कोई खबर...
...अरे! इसी इलाके से मेरा जासूस सर्प मानसिक संकेत भेज रहा है।
नागराज! य... यहां पर तबाही फैला रहे हैं नाग... ना... आ... आह ऽऽऽ
ओह! संकेत आने के बाद बंद हो गए। यानी मेरा सर्प या तो बेहोश हो गया और या फिर मारा गया। पर 'तबाही' फैला रहे हैं नाग.. का क्या अर्थ... ओ... ओह!
बचो, राज! गाड़ी सड़क के अन्दर धंस रही है।

तेज गति से दौड़ती कार को एक झटके से रुक जाना पड़ा-
नतीजा एक ही हो सकता था- दुर्घटना-
ओह! निशा बेहोश हो गई है!
इसकी चोट नहीं आई है! यह सिर्फ शॉक से बेहोश हो गई है। अच्छा ही हुआ।...
...अब मैं आराम से नागराज के रूप में आकर यह पता कर सकता हूं कि यह आग का फव्वारा कहां से फूट रहा है।
और वहां से थोड़ी ही दूर पर-
ये रहा एक सर्प! यह आम सर्प नहीं है!
इसमें मानव शरीर की गंध है। यह अवश्य शरीर में वास करने वाला सर्प है। यानी नागराज का सर्प!
इसकी 'मानसिक तरंगों' के सहारे मैं इसके मालिक तक पहुंच जाऊंगी...
उस रहस्यमय चीनी स्त्री का ख्याल सही भी था-
और गलत भी- क्योंकि वह सर्प तो मानव शरीर में वास करने वाला सर्प ही था-
लेकिन उसका मालिक नागराज नहीं बल्कि नागदन्त था-
नागदन्त, रोको ये तबाही। और अपने-आपको हमारे हवाले कर दो!

... वरना... आह!
वर्ना तू नागदन्त पर गोलियाँ चलाएगा? मूर्ख, नागदन्त आज नागराज को मारे बगैर नहीं मर सकता।
ओह! यानी बासी कढ़ी में फिर से उबाल आ रहा है?
यह क्या? मेरी विष फुंकार बीच में से ही रास्ता बदल रही है। कोई इसे खींच रहा है।
पर कौन? ओह, नागराज!
तुमको एक बार फिर मुझे मारने का बुखार चढ़ गया है। लेकिन हमारी आपस की लड़ाई में तुम इन निर्दोष को क्यों घसीट रहे हो?
ये सब तेरे साथ हैं नागराज! इसलिए इनकी इस भूल की कीमत तो चुकानी ही पड़ेगी।
अब समझा! यानी मेरे जासूस सर्प को भी तेरे ही नागों ने मिलकर मारा होगा।
तेरे एक सर्प को नहीं, सारे जासूस सर्पों को मेरे नागों ने खत्म कर दिया है।
और अब तेरी बारी है।
मेरे अधिकतर नाग फिलहाल उन रिसावों को बन्द करने का प्रयास करने में व्यस्त हैं, जो तेरे नागों ने किए हैं। फिर भी तेरे नाग मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकते। क्योंकि मेरा एक नाग ही तेरे कई नागों पर भारी पड़ेगा।

ओह! य... ये तो विशेष नागफनी सर्प है।
नागफनी सर्प पलभर में नागदन्त द्वारा छोड़े गए सर्पों के बीच में घुस गया-
और नागदन्त की गर्दन पर आ कसा-
आऽऽऽह! इसका कांटेदार शरीर तो मेरी गर्दन को छलनी किए दे रहा है।... पर मैं इससे हार नहीं मान सकता।
अपनी नागशक्ति का प्रयोग करते हुए नागदन्त ने नागफनी सर्प को गर्दन से दूर हटाया-
और उसके जहरीले दांत, नागफनी सर्प के शरीर में आ गड़े-
खच
नागराज के ही समान तेज जहर अपने शरीर में पहुंचने पर, नागफनी सर्प भी अपने होश कायम नहीं रख पाया-
ओह! तूने विशेष नागफनी सर्प को भी परास्त कर दिया? हमारी नागशक्तियां लगभग एक दूसरे के समान ही हैं। इनका प्रयोग करके न तो तू मुझे हरा सकता है और न मैं तुझे!...
... इसलिए हमारा तुम्हारा फैसला सिर्फ एक ही तरीके से हो सकता है। मल्ल युद्ध से!
धड़ाक

कहानी 19 में पृष्ठ से जारी
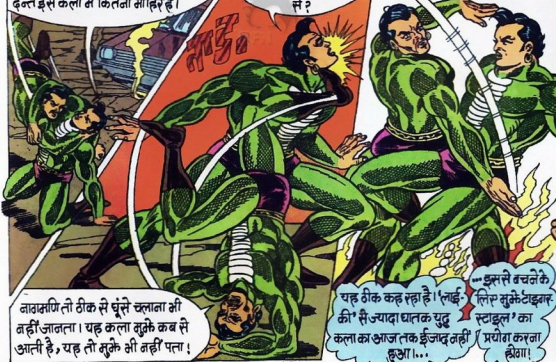
क्योंकि 'लाई-की' से मुझे सिर्फ टाइगर' की फुर्ती और शक्ति ही बचा सकती है।
नागराज और नागदन्त के इस जानलेवा युद्ध को देखने के लिए...
आऽऽऽह!
एक दर्शक भी मौजूद था-
ह रहा नागराज! हरी ल्कों से ढकी खाल और गमानव का रूप मुझे ह बताने की काफी है... से भी इस सर्प का मानसिक बंध भी इसी से है।...
... मगर... मगर यह दूसरा कौन है? यह भी नागराज लग रहा है।
अब मैं इन दोनों में से किसे खत्म करूं? कोई तो निशानी... अरे! यह क्या? वह मूँछों वाला... यह तो... यह तो...
फिंग है। फिंग, मेरा ीतर! यह तो कुछ साल हले गायब हो गया था।...
...लेकिन यहां पर? और इस रूप में? यह... यह सब क्या हो रहा है?
...तब तक नागराज को इस लड़ाई को जल्दी खत्म करने का रास्ता मिल गया था-
ओह! किसी सर्प के मानसिक संकेत मुझ तक आ रहे हैं।
नागराज! कुछ करो, जल्दी! एक और गैस पाइप फटने वाला है!
तक वह रहस्यमय स्त्री इस 'शॉक' से उबर पाती...

हम नाग इसके रिसाव की बन्द करने में विफल रहे हैं।...
तुम सारे नाग वहां से तुरन्त हट जाओ। अगर विस्फोट को रोक नहीं सकते, तो खाम-ख्वाह जान देने से कोई लाभ नहीं है।...
ooooo
धड़ाक
...मेरे नाग विफल जरूर रहे हैं। पर इस होने वाली घटना को, मैं इस लड़ाई को खत्म करने के लिए इस्तेमाल कर सकता हूं!
अगले ही पल- नागराज ने, नागदन्त को उठाकर उसी स्थान पर फेंक दिया-
जहां पर एक पल बाद-
कुकिंग गैस की 'पाइप-लाइन' फटने वाली
नागदन्त, धमाके कारण, लपटों से दू जाकर गिरा-
च्-च-च! अपने ही कर्मों के कारण पिट गया बेचारा! मैं जानता था कि इस मामूली सी विस्फोट से नागदन्त जैसे शक्तिशाली की जान को कोई खतरा नहीं होगा। अब इसे नागबंधनों में जकड़कर...
नहीं, नागराज! मेरे जीते-जी तु फेंगा को जकड़ना तो दूर हाथ भी नहीं लगा सकता!

ओह! तुम्हारा वार भी
'ताई-की' स्टाइल का
वार है। तुममें और
नागदन्त में इतनी
समानता तो है...
... पर तुम नागदन्त को फेंग क्यों कह रही हो? जरूर तुमको कोई गलत-फहमी हो रही है। तुम हो कौन और नागदन्त से तुम्हारा क्या वास्ता है?
मुझे कोई गलत फहमी नहीं हो रही है नागराज! यह फेंग है। जिसका और मेरा साथ जन्म जन्मान्तर का है। लेकिन तुझसे मेरा रिश्ता मौत का है।
मैं वैसे भी यहां पर तुझे मौत देने आई थी। और अब तो तुझे मौत देने के दो-दो कारण हो गए मेरे पास!
ONE...
AYUMC Shampoo
BALCO
एक कारण तो तुमने मुझे अभी-अभी बता दिया...
ब इससे पहले कि मैं
मको अपना दुश्मन मान
, तुम मुझे दूसरा कारण
भी बता दो!
उस कारण से तेरा कोई खास मतलब नहीं है नागराज! बस इतना समझ ले कि तू सांगली के यानी मेरे रास्ते का रोड़ा बन गया है। इसीलिए तुझे हटाना मेरी मजबूरी बन गया है।...
तड़
मुझ पर बिना कारण हमला करके तूने शिष्टता की सारी सीमाएं तोड़ डाली हैं, सांगली...
...और नागराज को तुझ जैसी अशिष्ट स्त्री पर वार करने से कोई परहेज नहीं है।
धड़ाक

अब तुझे भी सर्प-बंधनों में जकड़कर मैं नागदन्त के साथ ही बन्द कर दूंगा ताकि तुम दोनों 'जन्म-जन्मान्तर' का साथ निभा सको।
तेरे सर्प मेरे लिए नाली के ऊपर उड़ने वाले भुनगों से ज्यादा कुछ नहीं हैं नागराज!
सांगली ने पलक झपकते बगल में लटकी तलवार खींच ली–
और एक कुशल तलवारबाज की तरह दुधारी तलवार हवा में पंखे की सी गति से गोल-गोल घूमने लगी–
नागराज की सर्प सेना सांगली तक पहुंचने से बहुत पहले ही कटकर गिर गई–
ओह! मैंने तुझे इतना खतरनाक नहीं समझा था...
...लेकिन अब मैं तुझ पर हल्के नहीं करूंगा! अब मैं तुझको अपनी विष फुंकार से बेहोश करूंगा!
बड़े आश्चर्य की बात है। सांगली को देखकर मुझे इसके नागस्त्री होने का आभास हो रहा है!
परन्तु मेरी सारी नाग इसके मानवी होने का दे रही हैं!
ओह! इतना तेज विष! कल्पना से भी कहीं ज्यादा तेज! मेरी मणि तक को इस विष को निष्क्रिय करने के लिए काफी समय लग रहा है।
सांगली कुछ पलों के लिए तो लड़खड़ाई–
लेकिन 'मणि' की कृपा से जल्दी ही संभल गई–
अगर ये लड़ाई कुछ देर और चली तो तू मुझे अवश्य ही हरा देगा नागराज!...
...इसलिए अब मैं ही इस लड़ाई को हमेशा के लिए समाप्त कर देती हूं।
मणि पर से कपड़ा हटा–

और नागराज, अपने शरीर पर मणि की किरणें पड़ते ही चीख उठा-
आऽऽह!
मेरे शरीर में तेज जलन हो रही है।...
...म... मुझे एकाएक बहुत कमजोरी भी महसूस हो रही है।
...क्योंकि विष के नष्ट होने के साथ तेरे शरीर में रहने वाले सूक्ष्म सर्प भी मर रहे हैं। और तेरे शरीर की वास्तविक शक्ति ये सर्प ही हैं...
...अब मेरी तलवार एक ही झटके में तेरा सिर धड़ से जुदा कर देगी!
ये स्त्री मेरे बारे में इतना कैसे जानती है?
वह इसलिए नागराज, क्योंकि इस मणि की किरणें तेरे विष को नष्ट कर रही हैं। इसी प्रतिक्रिया के कारण तेरे शरीर में जलन भी हो रही है, और कमजोरी भी।...
लेकिन इससे पहले कि तलवार की धार से नागराज की गर्दन का स्पर्श हो पाता-
मणिकिरणें क्षीण हो रही हैं। यानी सुनचीं यहां पर आ रहा है। और... और उसके साथ... ओह! मुझे तुरन्त भागना होगा।...
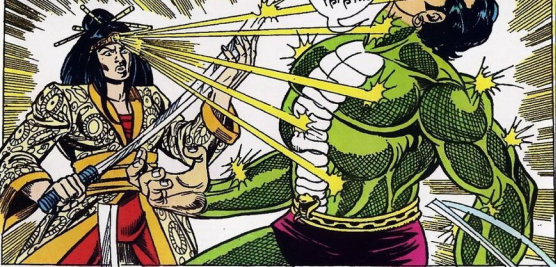
अब मेरे पास या तो नागराज को खत्म कर सकने का वक्त है या फेंग को उठाकर भागने का...
...और मैं फेंग को यहां छोड़कर नहीं जा सकती।...
...तेरी किस्मत अच्छी है जो आज तू बच गया नागराज!
नागराज की विस्फरित आंखों के सामने मणि से एक गाढ़ी धुंध निकलकर सांगली और नागदन्त को अपने आगोश में लेने लगी-
और जब धुंध छंटी तो-
ओह! दोनों गायब हो गए। यह सांगली जरूर मुझ पर दुबारा हमला करेगी। और उससे पहले ही मुझे इसको ढूंढ निकालना होगा। पर कैसे? वह अपने पीछे ऐसा कोई सूत्र नहीं छोड़ गई है, जिसके जरिए मैं उस तक...
...अरे! ये कपड़ा तो सांगली ने अपने माथे पर बांधा हुआ था।
शायद इस कपड़े में मुझे कोई ऐसी चीज मिल सके जो सांगली का पता बता सके।
लेकिन इससे पहले कि नागराज, उस कपड़े का छानबीन कर पाता-
अरे!...
...नागराज तुम यहां पर क्या कर रहे हो? लगता है तुमको यहां पर देखकर ही राज मुझे छोड़कर भाग गया है।
राज? ओह, वह डरपोक! कभी मिला तो नहीं, पर उसकी 'बहादुरी' की कहानियां सुनी है निशा।
खैर, यह बताओ कि यहां हो क्या रहा है?
लेकिन इससे पहले कि नागराज कोई जवाब दे पाता-
नागराज!
कौन? ओह!
नागराज ने पीछे घूमकर देखा, और उसकी आंखें फैलती चली गईं-

नागराज, आखिर मैंने तुमको इस "सर्प अंबर" की मदद से ढूंढ ही लिया।
आग उगलते उड़ते ड्रैगन पर एक बूढ़ा चीनी! कैसे-कैसे दोस्त हैं तुम्हारे, नागराज?
दोस्त? इसको मैं जिन्दगी में पहली बार देख रहा हूं, निशा! और अपनी हरकतों से यह दोस्त कम और दुश्मन ज्यादा लग रहा है!

मैं तुम्हारा दुश्मन नहीं हूं नागराज! मैं तो यहां पर तुम्हारी मदद लेने के लिए आया हूं। बहुत जल्दी थी इसीलिए मुझे ड्रेगन का इस्तेमाल करके यहां आना पड़ा। मेरा नाम सुन ची है।
ओहो! मेरी मद क्या चाहिए तुम मुझसे?
तुम्हारा... जहर!
मेरा जहर! परन्तु क्यों? मेरे जहर से चीन-वासियों को क्या काम पड़ गया?
यह समझाने में वक्त लगेगा, नागराज! तुम सिर्फ मेरा विश्वास करो और अपना जहर मुझे...
...अरे! तुम्ह हाथ में यह मणिवस्त्र
यह तुमको कहां से मिला? और... और मणि कहां है?
मणि? ओह, अगर तुम उस मणि के बारे में जानते हो तो सांगली के बारे में भी जरूर जानते होगे!
सांगली
उसको तुम कैसे जानते हो?
अभी-अभी वह फेंग को लेकर यहां से गई है। फेंग यानी मेरा जानी दुश्मन नागदन्त!
फेंग... पर वह तो कई साल पहले... खैर, पर सांगली यहां पर क्या कर रही थी?...
...जरूर कुछ ऐसी बा है, जो मुझे भी नहीं पता! खैर तुम तो मेरे साथ चलो!

तुम या तो अपने-आपको बहुत होशियार समझते हो, या मुझे बिल्कुल मूर्ख! तुम और सांगली, फेंग यानी नागदन्त के जान-पहचान वाले हो। पहले नागदन्त ने मुझे मारने की कोशिश की, और फिर उसकी मदद के लिए न जाने कहां से सांगली आ गई!

और जब उनकी भी किसी वजह से भागना पड़ा, तब तुम मेरा जहर लेने का बहाना बनाकर मुझे किसी जाल में फांसने यहां पर आ गए!

तुम गलत समझ रहे हो नागराज! फेंग और सांगली मेरे कबीले के जरूर हैं, पर फिलहाल मैं उनका साथी नहीं हूं!

यह तो अभी पता चल जाएगा!...

...क्योंकि मेरा तुम्हारे साथ जाना तो दूर, तुमको भी यहां से जाने देने का इरादा नहीं है। तब तक, जब तक तुम सच न उगल दो!...

मुझे तुम बांध नहीं पाओगे नागराज! यह 'सर्प अंबर' हर हमले से मेरी रक्षा करेगा!...

और चूंकि मुझे तुमको यहां से हर हालत में लेकर ही जाना है...

...इसलिए अब मैं अपने ड्रैगन का इस्तेमाल करने के लिए विवश हूं!

नागराज ऐसे किसी हमले के लिए पहले से ही तैयार था-
मेरी विष फुंकार इसको मुझ तक पहुंचने से पहले ही रोक देगी!
लेकिन विष फुंकार का असर उल्टा ही हुआ-
अरे! मेरी विष फुंकार से रुकना तो दूर, यह और उत्तेजित हो गया...
... जैसे आग में घी पड़ गया हो!
ठीक समझे नागराज! यह ड्रेगन एक अत्यधिक जहरीला प्राणी है। इसके मुंह से आग नहीं, बल्कि ऐसा जहर निकलता है, जो वायु के सम्पर्क में आते ही दहक जाता है।...
... तुम्हारे जहर की फुंकार इसके लिए घातक नहीं, बल्कि शक्तिवर्धक है।
देखते हैं कि मेरा विषदंश इसके लिए कितना शक्ति-दायक होता है।...
जहरीला ड्रेगन सिर्फ कुछ पलों के लिए लड़खड़ाया-
खच
अरे! यह तो मेरा जहर पचा गया। और अब यह मुझे पंजों में पकड़ कर उठाने की कोशिश कर रहा है!

इस वक्त इससे छूटने का सबसे अच्छा तरीका है, एक सीधा-सादा सॉलिड पंच! मेरी अतिमानवीय नागशक्ति से भरा पंच!...
धड़ाक
ड्रेगन, नागराज को छोड़ने पर मजबूर हो गया-
अब सबसे पहले इसके पंजों का इन्तजाम करना पड़ेगा!
और ये काम, कारों के टूटे कांच के टुकड़े आराम से कर सकते हैं।
कांच के टुकड़े पंजों में धंसते ही ड्रेगन चीख उठा-
अब ये अपने पंजों का इस्तेमाल नहीं कर पाएगा! और न ही इस सर्प रस्सी को अपने शरीर से हटाकर अपने को बंधने से बचा पाएगा!

कुछ ही देर बाद ड्रेगन सर्प रस्सियों में बंधा हुआ बेबस सा पड़ा था–
लो, सुन ची तुम्हारा सबसे जोरदार प्यादा तो पिट गया। अब बताओ, तुम्हारा नम्बर लगाऊं या नहीं?
तुमको इस तरीके से ले जाना मुश्किल लगता है...
... इसलिए मैं तुमको अपने पीछे आने पर मजबूर करूंगा...
... तुम्हारी साथी इस लड़की को अपना बंधक बनाकर!
ओह! तो तुम इस निम्न दर्जे की हरकत पर उतर आए हो। पर तुम इसको लेकर जाओगे कैसे?...
... तुम्हारी सवारी को तो मैंने बांधकर रखा हुआ है।
मेरा 'सर्पअंबर' ज्यादा देर तक मेरे ड्रेगन को बंधा नहीं रहने देगा।
सर्प अंबर से निकली शक्ति किरणों ने सर्प रस्सियों को छिन्न-भिन्न कर दिया–

हम फिलहाल यहां से जा रहे हैं नागराज! और अगर तुम इस लड़की को दुबारा देखना चाहते हो तो पन्द्रह घण्टे के अन्दर-अन्दर चीन के जेसिन प्रान्त में स्थित घने जंगलों के पूर्वी कोने पर पहुंच जाओ!
अगर तुम समझते हो कि तुम इतनी आसानी से यहां से चले जाओगे...
...तो ये तुम्हारी भूल है।
क्योंकि नागराज तुमको निशा का अपहरण नहीं करने देगा!
जिसके हाथ में सर्प अंबर हो, उससे उलझने की भूल नहीं करनी चाहिए नागराज!
ताड़
नागराज, अंबर किरणों का एक तेज वार खाकर...
...दूर जा गिरा–
और जब उसकी आंखें फिर से कुछ देखने लायक हुईं...
...तो आकाश में उड़ता हुआ ड्रेगन बहुत दूर जा चुका था–
धड़ाम
ओह! वह निशा को लेकर चला गया, और मैं कुछ नहीं कर पाया!

अब मुझे चीन के जेमिन प्रान्त में पहुंचना होगा। और वह भी पन्द्रह घंटों के अन्दर-अन्दर।... और इतनी जल्दी पहुंचने का इन्तजाम सिर्फ भारती ही कर सकती है।
और कुछ ही देर बाद-
यह क्या कह रहे हो नागराज? निशा का अपहरण कोई क्यों करेगा भला?
मुझे अपने पीछे बुलाने के लिए! वह बूढ़ा अच्छी तरह यह जानता है कि नागराज किसी भी निर्दोष को मरने के लिए नहीं छोड़ सकता...
ओह समझी!
अब तुम सारी फिक्र मुझ पर छोड़ दो! तुम 'भारती कम्युनिकेशंस' का प्राइवेट प्लेन लेकर चीन के लिए रवाना हो जाओ। मैं यहां पर इस बात का पूरा इन्तजाम कर दूंगी कि तुमको चीनी अधिकारी रास्ते में न रोकें।
'न्यूज चैनेल' का मालिक होने से इतना फायदा तो होता ही है।
जल्दी ही नागराज, 'भारती कम्युनिकेशंस' के प्लेन में चीन की तरफ बढ़ रहा था। और उसकी मंजिल थी, जेमिन प्रान्त के घने जंगल-
हुम! तो सुनची नागराज को खींच कर ले जाने में सफल हो ही गया।

वाह! कमाल की मणि है यह! लेकिन तुम इसे माथे पर पहनने के बजाय छिपा क्यों रही हो?
वह इसलिए क्योंकि अगर इसकी किरणों का तुम्हारे शरीर से स्पर्श हुआ तो तुम्हारे शरीर का विष नष्ट होना शुरू हो जाएगा!
ओह! बड़ी खासियतें हैं इस मणि में। यह मणि तुमको मिली कहां से?...
...और तुम हो कौन? तुमने मुझे आखिर क्यों बचाया?
यानी... यानी तुमको कुछ भी याद नहीं है, फेंग? उस शैतान ने तुम्हारी पूरी याददाश्त को मिटा दिया क्या?
तुमको... तुमको मैं भी याद नहीं हूं? हमारी सगाई भी भूल गए तुम? मैं सांगली हूं फेंग! तुम्हारी मंगेतर सांगली!
मेरी मंगेतर? हमारी सगाई कब हुई? किस शैतान ने मेरी याददाश्त को मिटा दिया?...
...और...और तुम मुझे 'फेंग' क्यों कह रही हो?
क्योंकि तुम नागदन्त नहीं फेंग हो। तुम्हारी याददाश्त उसी दुष्ट ने मिटा डाली है, जिसके मुड़ी तलवार जैसी मूंछें थीं। दुबला-पतला सांप जैसी आंखें, और पश्चिमी सूट का पहनावा!
तुम तो प्रोफेसर नागमणि का हुलिया बयान कर रही हो। लेकिन वह दुष्ट नहीं, वह तो मेरा जन्मदाता है। मेरा निर्माता!
वह तुम्हारा निर्माता नहीं है, तुम्हारा विनाशक है।
खैर, इस बारे में तो बाद में भी बात कर सकते हैं।
फिलहाल तो नागराज को चीन के जेमिन प्रान्त जाने से रोकना बहुत जरूरी है। आओ, मेरे पास आ जाओ!
चीन? नागराज चीन क्यों जा रहा है?
तुम मेरे साथ आओ! मैं तुमको सब समझा दूंगी!
गाढ़ी धुंध एक बार फिर दोनों को अपने आगोश में लेने लगी और दोनों फिर गायब होने लगे–
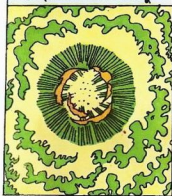
और महानगर के उस भाग से दूर-

बहुत दूर- चीन के जेमिन प्रान्त के एयरपोर्ट पर नागराज चीनी अधिकारियों से जानकारी ले रहा था-

हमारे भारत के दूतावास से आपकी 'क्लियरेंस' आ चुकी है मिस्टर नागराज!

जी हां! मुझे जाना ही होगा। यह किसी की जिन्दगी और मौत का सवाल है।

और उससे हमको यह भी पता चला है कि आप यहां के घने जंगलों में जाना चाहते हैं।

जिन्दगी नहीं, सिर्फ मौत कहिए मिस्टर नागराज! क्योंकि उन जंगलों में जो गया, वह वापस नहीं आया।

नागराज वापस आएगा। जरूर आएगा। और उसको साथ लेकर आएगा जिसके लिए वह यहां पर आया है।

आपकी बहादुरी के जो किस्से हमने चीन में सुने, वह झूठे नहीं थे। आपकी हिम्मत वाकई काबिले तारीफ है।

हमने आपके लिए एक गाड़ी का इन्तजाम कर रखा है। नक्शा भी उसी में है। आपको जंगल तक पहुंचने में कोई दिक्कत नहीं होगी। बेस्ट ऑफ लक!

थैंक्यू ऑफिसर!

कुछ ही देर बाद- नागराज जंगल के पूर्वी छोर की तरफ बढ़ रहा था-

पन्द्रह घंटे पूरे होने में सिर्फ एक घंटा ही बाकी है। उम्मीद है कि मैं समय रहते ही वहां पहुंच जाऊंगा।

लेकिन कोई और इस बात के लिए पहले से ही कमर कसे था कि नागराज वहां तक पहुंच ही न पाए-

आ गया शिकार नेत्रा के जबड़े में।
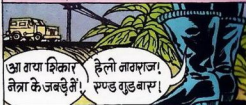
हेलो नागराज! एण्ड गुड बाय!

नागराज को सामने से कुछ त्रिशूल सा आता दिखाई तो पड़ा-
?
लेकिन इतना वक्त नहीं था कि वह गाड़ी को उसके रास्ते से हटा सकता-
समय था तो सिर्फ इतना-
कि नागराज खुद उस धमाके के रास्ते से हट सके, जो पेट्रोल टैंक तक चिंगारी पहुंच जाने के कारण हुआ था-
ओह! यह किसकी हरकत हो सकती है? ...
... एक त्रिशूल का इतना तेज प्रहार कोई आम आदमी तो करने की सोच भी नहीं सकता!
नेत्रा' आदमी नहीं, नाग नव है। तेरे भगवान शिव दूसरा रूप है नेत्रा!
जिसके हाथों में रहता है त्रिशूल! और माथे पर चमकती है तीसरी आंख!
ओह! तू तो भोलेनाथ का रूप रखकर, शैतान वाले काम कर रहा है नेत्रा!
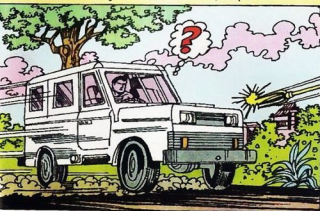
लेकिन यह शिवभक्त नागराज तुझको भोलेनाथ का नाम बदनाम नहीं करने देगा!
ओह! सुना है तेरे सर्प बड़े घातक हैं। इसीलिए मैं तो इनको अपने तक पहुंचने नहीं दूंगा!
क्योंकि तेरे भोलेनाथ की तरह मुझे गले में सांप लटकाने का कोई शौक नहीं है!
फ्रशाक
इस पर विष फुंकार छोड़नी होगी। तीव्र फुंकार!
अरे! इसकी 'तीसरी आंख' तो वाकई 'शिवनेत्र' की तरह आग उगलती है। आश्चर्य-जनक शक्ति है इस नाग-मानव के पास!
इसको अगर जल्दी काबू में नहीं किया तो यह मेरा हाल भी मेरे सर्पों की तरह ही कर देगा!
फ्रऊऊ
नेत्रा, नाग मानव तो जरूर था, लेकिन इतने तेज विष से उसका पाला पहले कभी नहीं पड़ा था-
ड्रेगन की तरह वह भी लड़खड़ाया-
और नागराज की एक किक उसके जबड़े से आ टकराई-
ओह! इतनी तेज विषगंध!
फ्रऊ
ताड़
अब तक मैं सबसे पूछता रहा कि आखिर यह सब चक्कर क्या है?

लेकिन किसी ने बताया नहीं।...
...अब तू बताएगा कि मुझे इस जाल में क्यों फंसाया जा रहा है?
धड़ाक
जानकर क्या करेगा, नागराज? जो चन्द सांसें बची हैं, उनको अपने भगवान का ध्यान करने में इस्तेमाल कर ले!
सांय
अगर तू समझता है कि तेरी 'अग्निलहर' मेरे सांपों की तरह मुझे भी जलाकर राख कर सकती है तो यह तेरी भूल है।
यह 'अग्निलहर' तुझे सिर्फ दूर रखने के लिए है नागराज! मारने के लिए नहीं।...
...मैं जानता हूं कि इनसे तू आराम से बच सकता है। तुझे मारने के लिए मैं अपनी सबसे बड़ी शक्ति का इस्तेमाल करूंगा...
...अपनी आंखों का!...
...और इनसे तू बच नहीं सकता! क्योंकि ये तेरा पीछा करके तुझे मारेंगी।...

नागराज एक और आश्चर्यजनक शक्ति देखकर पलभर के लिए ठगा सा रह गया-
ओह! यह अपनी 'तीसरी आंख' को मिसाइल की तरह छोड़ सकता है!...
...और एक आंख के निकलते ही दूसरी आंख उसके स्थान पर आ जाती है!
यह काफी खतरनाक हथियार लगता है। मुझे ऐन वक्त तक इन्तजार करना होगा।...
... ताकि मैं इसके रास्ते से अलग हट सकूं!
नागराज तो 'आंख' के रास्ते से हट गया-
लेकिन 'आंख' उसके रास्ते से नहीं हटी-
स्वश
अरे! यह तो रास्ता बदलकर मेरे पीछे आ रही है।
नागराज ने 'आंख' से बचने के लिए हर कलाबाजी को आजमा लिया-

लेकिन 'आंख' से भला कौन बच पाया है? नागराज का पीछा करती 'आंख' आखिरकार उसके शरीर से आ सटी-
और नागराज के गले से चीख उबल पड़ी-
सट्टाक
आऽऽऽह
नागराज के गिरते ही, आंखों की एक बाढ़ नागराज की तरफ लपकी-
कुछ ही पलों में नागराज का पूरा शरीर जलती आंखों से ढक गया-
जल नागराज! अब मेरी दहकती 'आंखें' तुझे राख का ढेर बना देंगी!
सांगली को दिया मेरा वचन पूरा हो...
...अरे...अरे... य...यह क्या?
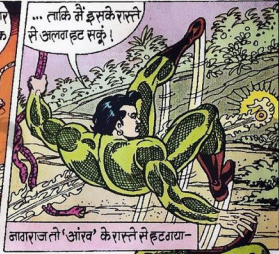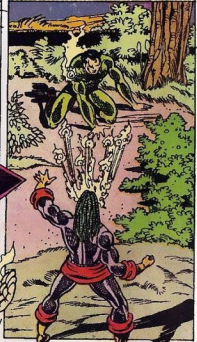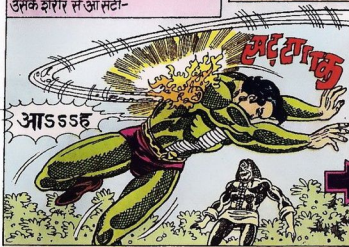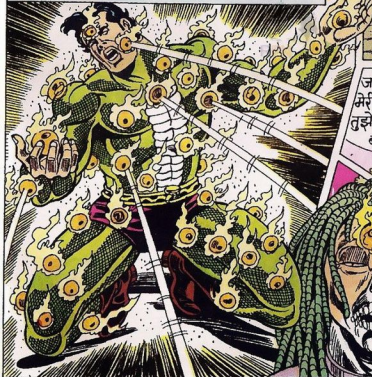
यह नहीं हो सकता। तू... तू खड़ा नहीं हो सकता। मेरी 'आंखों' के वार खाने के बाद कोई बच नहीं सकता।
मेरी 'आंखें' नष्ट हो रही हैं। गल रही हैं। आग भी बुझ रही है। पर कैसे?
तकलीफ तो शुरू में मुझे भी हुई थी, नेत्रा! पर मैं यह भूल गया था कि ये आंखें भी जीवित कोशिकाओं से बनी हुई हैं।...
...इसीलिए जब ये मेरी खाल को जलाती हुई मेरे जहरीले खून तक पहुंची तो ये सारी की सारी अपने-आप गलकर नष्ट हो गईं।
धाड़
मेरी जली हुई त्वचा को तो मेरी नागशक्तियां कुछ ही देर में फिर से सामान्य कर देंगी...
...लेकिन मैं तुझे भोलेनाथ की कुछ शक्तियों का छोटा सा रूप दिखाता हूं...
...उनके वज्र से प्रहार का नमूना तो तू चख ही चुका है...
...अब चख उनके गले में बसे तीव्र विष 'हलाहल' का छोटा रूप! मेरी अति तीव्र विष फुंकार!
फूऊऊऊ
भोलेनाथ शंकर जैसा ही क्रोध उमड़ आया था, नागराज की दहकती आंखों में–

और यह तो सभी जानते हैं कि क्रोध इन्सान के सोचने-समझने की शक्ति को नष्ट कर देता है -
नागराज के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ-
ओह! यह मैंने क्या किया। अब तो यह नेत्रा काफी समय तक बेहोश रहेगा। अब इससे मैं कुछ भी जान नहीं पाऊंगा।
वैसे भी अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। मुझे जंगल के पूर्वी छोर पर पहुंचना है।...
...वह नक्शा कहां गया जिसे लेकर मैं गाड़ी से कूदा था? वह रहा?... झाड़ियों में फंसा हुआ।
अब मुझे अपनी मंजिल पर पहुंचने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा। जंगल का पूर्वी छोर यहां से ज्यादा दूर नहीं है।
ओफ्फ! 'नेत्रा' भी नागराज को रोक पाने में असफल रहा। अब वह जंगल के पूर्वी छोर तक पहुंचकर ही रहेगा!
अब हम क्या करें सांगली?
इंतजार! क्योंकि मेरा आखिरी मोहरा नागराज का वहीं पर इंतजार कर रहा है।...
...जहां पर वह निशा से नहीं, अपनी मौत से मिलेगा!

राज कॉमिक्स
नागराज की अपनी मंजिल तक पहुंचने में सचमुच ज्यादा वक्त नहीं लगा-
ओह! आखिर मैं यहां तक पहुंच ही गया। लेकिन शायद मैं वक्त से पहले आ गया हूं। क्योंकि यहां पर वह बूढ़ा चीनी कहीं नजर नहीं आ रहा।
EAST CORNER
गलत, नागराज! तू वक्त से पहले नहीं, एकदम सही वक्त पर आया है। यहां तेरा इंतजार कर रहा है... स्क्यू फाइटर!
फिर गलत, नागराज! मुझे किसी बूढ़े ने नहीं, मौत के देवता ने भेजा है। तुझे उनके पास भेजने के लिए।
ओह! तुमको शायद उसी चीनी बूढ़े ने भेजा है!
अच्छा! यानी तू भी सांगली का ही भेजा हुआ कोई किस्मत का मारा है, स्क्यू!
मैं किस्मत का मारा चाहे होऊं या नहीं नागराज, पर थोड़ी देर बाद लोग तुझे जरूर स्क्यू फाइटर का मारा कहेंगे!
तड़ांक
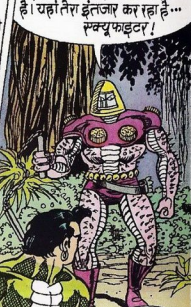
यह 'नान चाकु' हथियार बहुत खतरनाक होता है। अगर मुझमें नागशक्तियां न होतीं तो इस वार ने मेरे हाथ की हड्डी तोड़ दी होती!...
...इससे पहले कि यह सचमुच मेरी हड्डियां तोड़ दे इस हथियार को इसके हाथ से अलग करना होगा।
नागराज के वार ने नानचाकु को तो स्क्यूफाइटर के हाथ से गिरा दिया-
लेकिन साथ ही साथ नागराज पर भी एक आश्चर्यजनक प्रतिक्रिया हुई-
अरे! यह क्या? मेरा हाथ? मेरा दाहिना हाथ सुन्न हो गया है! पर... पर कैसे?
क्योंकि तूने स्क्यूफाइटर पर अपना हाथ उठाया, इसलिए!
तूने प्राचीन चीनी चिकित्सा पद्धति एक्यूप्रेशर का नाम तो सुना ही होगा। इससे छोटी-छोटी नुकीली सुईयों के जरिए शरीर के किसी भी अंग पर ऐसा दबाव डाला जा र कता है, जिससे उस अंग का स्नायुतंत्र य. नी नर्वस सिस्टम सुन्न हो जाए। मेरा शरीर भी ऐसे ही छोटे-छोटे कांटों से ढका हुआ है।
ताड़!
तेरा हाथ इन पर पड़ा तो तेरा हाथ सुन्न हो गया।...
तू झूठ बोल रहा है या सच, इसका फैसला अभी हो जाएगा!

स्क्यूफाइटर के शरीर से टकराते ही नागराज का बायां हाथ भी सुन्न होने लगा-
ओह! तू... तू सही कह रहा था। मेरा बायांहाथ भी अब काम नहीं कर रहा है!
मुझे जांचना तुझे जरा महंगा पड़ गया नागराज!...
...अपने हाथ तो तूने बेकार कर ही लिए हैं!...
...अब रही सही कसर मैं पूरी किए देता हूं।
धाड़
ओह! इसके वार मेरे शरीर से जहां-जहां टकरा रहे हैं, वहां-वहां का हिस्सा सुन्न होता जा रहा है!...
ठक
...इसका चेहरा ढका हुआ है। मेरी विष फुंकार इस पर काम नहीं करेगी...
...और मेरे हाथों का 'स्नायुतंत्र' प्रभावित हो जाने के कारण मेरे मस्तिष्क से आदेश के सिग्नल, नागों तक पहुंच नहीं पा रहे हैं!...
...यानी मैं सर्प-सेना को भी कलाईयों के रास्ते बाहर निकाल नहीं सकता!...
...अब एक ही रास्ता बचा है। मैं इसको सम्मोहित करने की कोशिश करूं...
ता...ड़.
लेकिन नागराज यह भी नहीं कर सका-
क्योंकि गर्दन पर हुए वार ने उसके चेहरे का हिस्सा भी सुन्न कर दिया-
अब तू एक चलती-फिरती लाश बनकर रह गया है नागराज! अब मैं इस लकड़ी से तेरा सिर फोड़ूंगा और तू कुछ नहीं कर पाएगा!

लेकिन इससे पहले कि लकड़ी की वह डाल, नागराज की खोपड़ी खोल डालती–
अरे! यह तो वही चीनी बूढ़ा है। और यह स्क्यूफाइटर को मार रहा है।...
...यानी... यह मेरी जान बचाना चाहता है?
वह डाल खुद दूर जा गिरी–
नहीं! अब यह मेरी तरफ बढ़ रहा है। शायद यह स्क्यूफाइटर इसी का आदमी है। और यह बूढ़ा मुझे अपने हाथों से मारना चाहता है।
हाआआआ
बूढ़े के वार नागराज के शरीर से टकराने लगे–
तड़ाक
और नागराज की आंखों में एक बार फिर आश्चर्य तैरने लगा–
अरे! इसके वार जहां-जहां मेरे शरीर से टकरा रहे हैं, वहां-वहां की सुन्नता खत्म होती जा रही है। यह बूढ़ा भी एक्यूप्रेशर पद्धति का अच्छा जानकार लगता है। इसके वार स्क्यूफाइटर द्वारा किए गए वारों की काट हैं।
कट
बस नागराज। अब मैं और कुछ नहीं कर सकता। स्क्यूफाइटर से तुमको अपने-आप निबटना होगा!
क्योंकि मेरी और 'सर्प-अंबर' की शक्तियां मेरे कबीले वालों पर बेअसर हैं। और स्क्यूफाइटर मेरे ही कबीले का प्राणी है!

तुम्हारी इस हरकत से तुम्हारे दुश्मन होने का मेरा भ्रम दूर हो गया है। पर फिक्र मत करो।...
...पहली बार में असावधान भी था, और जरूरत से ज्यादा आत्मविश्वासी भी। पर इस बार यह स्क्यूफाइटर मेरा कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा।
ताड़.
क्योंकि इस बार मैं इसे हाथों से नहीं, जूतों से मारूंगा!
तू चाहे मुझे अपने शरीर के किसी अंग से न मारे...
...पर मैं तो तुझे तेरे अंगों पर मार ही सकता हूं!
ठक
इस बार मैं तुझको स्क्यूप्रेशर द्वारा स्थायी रूप से अपंग कर दूंगा! ऐसा अपंग कि सुन ची भी तुझे ठीक न कर सके... अरे!
...मेरे वारों का तुझ पर कोई असर क्यों नहीं हो रहा है?
वह इसलिए लल्लूलाल, क्योंकि मेरा मानसिक आदेश पाकर मेरे सूक्ष्म सर्पों ने मेरे शरीर के स्नायु तंत्र को ढक लिया है। तेरे वारों का दबाव तो अब मेरे स्नायु तंत्र तक नहीं पहुंच सकता...
खटक
...पर मेरे वार का दबाव तेरी हेलमेट को जरूर तोड़ सकता है। और फिर मेरी विष फुंकार तुझे कम से कम दो दिनों के लिए आराम की नींद सुला देगी।
आऽऽऽह
वाह, नागराज! तुमको हरा सकने वाला सचमुच शायद पैदा ही नहीं हुआ।
अब चलो, वक्त बहुत कम है।

और पास में ही– यह दृश्य देख रही आंखों में ज्वालामुखी फट पड़ा–
ओह! स्क्यूफाइटर भी नागराज का बाल तक बांका न कर सका!
अब और कोई रास्ता नहीं है। मुझे महाड्रैगन शिंग को जगाना ही होगा... अगर मेरा विनाश निश्चित है तो मेरे साथ सबका खात्मा होगा। एक साथ!
अब तो बताओ सांगली कि आखिरकार यह सब चक्कर क्या है? और इसमें मैं यानी फेंग कहां पर फिट होता हूं?
बताती हूं। अब तुमको सब बताने का वक्त आ गया है।...
... सबसे पहले मुझे मणि का प्रयोग करके तुम्हारे मानसिक अवरोध को हटाना पड़ेगा।...
... ताकि तुम यह जान सको कि तुम कौन हो? और मेरी बात आसानी से समझ सको।
इधर नागदन्त के लिए रहस्यों का धुंधलका छंटने वाला था–
और उधर नागराज, घने जंगल के बीच में बसी एक बस्ती में पहुंच चुका था–
निशा! तुम ठीक तो हो न?
हां, नागराज! इन लोगों ने मुझे बिल्कुल बच्चे की तरह प्यार से रखा है।...
और यह है वह कारण, जिसके लिए निशा को चारे की तरह इस्तेमाल करके तुमको यहां पर बुलाया गया नागराज!
कौन हैं ये?
ये हमारे कबीले के सरदार हैं नागराज! महान डेंगा। इनको किसी ने ऐसा कुछ खिला दिया है, जिससे इनके शरीर में जहर की मात्रा काफी कम हो गई है।...

हम लोग एक दुर्लभ प्रजाति के प्राणी हैं नागराज! कभी इस इलाके में इच्छाधारी नाग और मानव साथ-साथ बसे हुए थे।...

...उनमें से जो भी मानव नागिन से विवाह कर लेता, या नाग, मानवी से, उसको जाति से बाहर निकाल दिया जाता!

हमारा पूरा कबीला ऐसे ही निकाले गए दम्पतियों की सन्तानों द्वारा बना है।...

...हम वे सन्तानें हैं। इस कारण हममें कुछ नागों जैसे गुण वाले हैं, और कुछ मानवों जैसे। जैसे मैं मानव हूं, पर डेंगा इच्छाधारी नाग!

हमारी बस्ती पहले यहां से थोड़ी दूर पर बसी थी। उसी दौरान महा ड्रेगन शिंग ने आकर इस स्थान को अपना बसेरा बना लिया। मानव और इच्छाधारी नाग दोनों ही प्रजातियां उसका विरोध करने के कारण ड्रेगन द्वारा नष्ट कर दी गईं।...

...परन्तु जिस वक्त हम जान बचाने की सोच रहे थे, उस वक्त हमारे सरदार महान डेंगा यह सोच रहे थे कि आखिरकार महाड्रेगन शिंग यहीं पर क्यों आकर रहना चाहता है? दार्शनिक डेंगा को इसका उत्तर शीघ्र ही मिल गया।...

...हम भी यहां से भाग जाते, परन्तु हमारे पास जाने के लिए कोई स्थान नहीं था। न तो हम मानवों द्वारा स्वीकार किए जाते और न ही नागों द्वारा।...

...इसका कारण था किसी प्राचीन इच्छाधारी नाग की एक दुर्लभ मणि, जो सदियों से यहां की भूमि के नीचे दबी हुई थी। उस मणि में कई विशेषताएं थीं। और सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उसकी किरणों के ही स्पर्श मात्र से बड़े से बड़ा जहर भी सामान्य स्तर का विष बनकर रह जाता है!...

...ड्रेगन शिंग अत्यधिक जहरीला प्राणी है। उसके अंदर विष की उत्पत्ति होती ही रहती है।...

अगर ड्रैगन शिंग अपना यह विष बाहर न निकालता रहे तो उसका अपना शरीर ही उस विष से झुलस जाएगा। जिन छः महीने ड्रैगन जगा रहता है, उनमें वह अपनी श्वास द्वारा विष फुंकार छोड़-छोड़कर विष का स्तर काबू में रखता है।
मणि हमारे हाथ लगने से ड्रैगन शिंग हमारा गुलाम बन गया। क्योंकि वह जानता था कि मर कर भी हम मणि उसके हाथ नहीं लगने देंगे।
उसने अपना एकमात्र सेवक छोटा ड्रैगन तक हमें भेंट में दे दिया। मैं उसी छोटे ड्रैगन पर बैठकर तुम्हारी तलाश में भारत के महानगर तक गया था...
परन्तु जिन छः महीनों तक वह सोता है, यानी सुषुप्तावस्था में रहता है, उस दौरान उस विष का क्षरण सिर्फ मणि द्वारा ही हो सकता है। इसी कारण मणि की तलाशता हुआ ड्रैगन शिंग इस इलाके में आ पहुंचा था, और फिर यहीं पर बस गया था।
इस समय तक हम काफी खुश हाल थे। ड्रैगन के कारण इस जंगल में किसी की कदम रखने की हिम्मत नहीं थी, और जो गलती से आ गया, वह ड्रैगन का भोजन बन गया।...
गड़बड़ सांगली की महत्वाकांक्षाओं के कारण शुरू हुई। सांगली, महान डेंगा की एकमात्र सन्तान है। डेंगा तो इच्छाधारी नाग है, परन्तु सांगली की माता के मानवी होने के कारण, सांगली में मानवों के गुण हैं। वह हमेशा से ड्रैगन शिंग के बूते पर दुनिया पर राज करने का ख्वाब देखती थी, परन्तु डेंगा के डर से चुप रहती थी!...
...पर अब तुमसे मिलने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि उसने सारी हदें पार कर ली हैं। उसने ही डेंगा को रास्ते से हटाने के लिए उसको कुछ खिला दिया, और फिर मणि लेकर फरार हो गई।...

फेंगा में मां के गुण ज्यादा आए। वह मानव रूप में एक इच्छाधारी नाग था। सांगाली और फेंगा बचपन से ही एक साथ खेले-बढ़े थे। उनके बीच में, युवा होते-होते एक गहरा प्यार पनप गया। और उनकी सगाई भी हो गई।...

...पर एक बात जो कोई नहीं जानता था, वह थी फेंगा के नशे का आदी होना। उसको सांपों के जहर का नशा करने की आदत थी। बचपन से ही वह जंगली सांपों को पकड़कर उनकी विष थैली खा जाता था।...

... ओह! बातों-बातों में मैं मुख्य बात तो भूल ही गया। यह सब मैं तुमको इसलिए बता रहा हूं, ताकि तुम यह समझ लो कि हमको वाकई तुम्हारे विष की आवश्यकता है। हम तुमको धोखा देने की कोशिश नहीं कर रहे हैं।...

... वैसे अब वक्त बहुत कम है। शीघ्र ही इनको जहर न मिला तो महान हेंगा हमारे बीच में नहीं रहेंगे।

चिन्ता मत करो! मैं अभी अपने रक्त से विष की एक बूंद अलग करके, उसमें से सूक्ष्म सर्प निकालकर, उसको इनके मुंह में टपका देता हूं!

हां, मैं बता रहा था कि फेंग, नशे का आदी हो रहा था। थोड़ा बड़ा होने पर वह दांतों से ही सांपों के सिर काटकर चबा जाया करता था।...

... धीरे-धीरे उसके शरीर में रक्त और विष लगभग बराबर मात्रा में हो गए होंगे।...

... और तब... हमारी बस्ती में एक जलजला आया। एक अजनबी के रूप में।

उस दिन, आकाश में पहले मुझे एक जलता हुआ वायुयान दिखा, और फिर बड़ी सी चादर से लटका हुआ, नीचे गिरता एक मानव!

फिर भी हमने उसका इलाज किया। और इसलिए वह दो-तीन दिनों तक हमारी बस्ती में ही रहा-
इस दौरान मैंने एक बात यह देखी कि वह मानव हर बस्ती वासी का बड़े गौर से निरीक्षण करता था-
और हर बार उसकी नजर आकर फेंग पर रुक जाती थी-
मैं उस पर नजर रखने लगा। और तीसरी रात को मैंने उसके दुष्ट होने का सबूत पा लिया-
यहां पर मेरा आना कोई संयोग नहीं था फेंग!
मैं जानबूझकर आया हूं। सर्प-जगत के सम्पर्क सूत्रों से मुझे तुम्हारी बस्ती का पता लगा था...
...किसी को शक न पड़े, इसीलिए मैं वायुयान में खुद आग लगाकर कूद गया था।
क्यों? तुम अपनी जान का जोखिम उठाकर यहां पर क्यों आए?
तुम्हारे जैसे किसी इच्छाधारी नागमानव की तलाश में फेंग! चकित मत हो, मैं किसी भी इच्छाधारी नाग को पहचान सकता हूं।... और तुम्हारे शरीर का रंग देखकर नागमणि तो क्या, कोई मूर्ख भी बता सकता है कि तुम्हारे शरीर में विष ही विष भरा हुआ है।
नागमणि! प्रोफेसर नागमणि यहां आया था? फेंग जैसे नागमानव को ढूंढता हुआ? पर क्यों?
एक नए किस्म का तेज नशा बेचने के लिए!
तुमको जहर के नशे का शौक है न फेंग? देखो, मैं तुम्हारे लिए दुनिया का सबसे तेज जहर लाया हूं। नागराज के खून में मिला हुआ नागराज का जहर!
नशे के लालची फेंग ने बिना सोचे समझे वह रक्त मिश्रित जहर पी लिया-
नागराज का, यानी तुम्हारा जिक्र मैंने पहली बार तभी सुना था-

वह नशे में लड़खड़ाने लगा। और साथ ही साथ उसके शरीर में एक आश्चर्यजनक बदलाव भी आने लगा–

उसके शरीर पर छोटे-छोटे हरे धब्बे उभरने लगे। वे वास्तव में छोटे हरे शल्क थे, वैसे ही जैसे तुम्हारे शरीर पर है नागराज–

?

मैं चिल्लाकर नागमणि की तरफ लपका–

रुक जा दुष्ट! यह तूने क्या किया मेरे बेटे के साथ ?

लेकिन नागमणि काफी फुर्तीला था–

मेरे कोई वार कर सकने के पहले ही उसने मुझे बेहोश कर दिया–

और जब मुझे होश आया तो वहां पर कोई भी नहीं था। बस उसके बाद मैंने फेंग को आज तक नहीं देखा।

फेंग आपका बेटा है! ओह! पर अब मैं सारी कहानी समझ गया हूं।...

... परन्तु मेरा थोड़ा सा रक्त उसने किसी समय निकाल कर अपने पास सुरक्षित रख लिया होगा। उस रक्त में विष के साथ सूक्ष्म सर्प भी मौजूद होंगे। और वही विष उसने फेंग को पिला दिया था ... फेंग के रक्त में मौजूद विष पाकर वे सूक्ष्म सर्प, संख्या में बढ़ने लगे होंगे।...

... और मेरे विष के असर के कारण उसके शरीर पर हरे शल्क भी उभरने लगे होंगे।...

...इसके बाद नागमणि ने मेरी ही तरह फेंग की याददाश्त भी मिटाकर उसके दिमाग में यह भर दिया होगा कि फेंग नागमणि का अविष्कार है।...

★ पहले नागराज नागमणि के वश में था। विस्तार से जानने

...और इस प्रकार से जन्म हुआ होगा नागराज के प्रतिरूप डुप्लीकेट नागदन्त का!... इसीलिए नागमणि काफी दिनों से मेरे जहर के पीछे पड़ा हुआ है, ताकि उसकी मदद से वह एक और डुप्लीकेट बना सके, और उससे मुझे मरवा डालने का वह काम करवा सके, जो नागदन्त नहीं कर सका!

संभलकर नागराज! इस पवित्र स्थान पर पैर मत रख देना। यहाँ पर हम ड्रेगन शिंगा को शान्त रखने के लिए हवन करते हैं!...

...इस खास जड़ी की हवन सामग्री के लिए प्रयोग करके। इससे ड्रेगन शिंगा बिना मणि के भी शान्त रहता है।

कमाल है। ऐसा क्या है इस जड़ी और इस खास हवन स्थल में?...

...जाओ मेरे सर्पो! इस हवन कुंड में सूक्ष्म रूप में प्रवेश करके मुझे इसका रहस्य बताओ।

अब इस हवन-स्थल में तेरी बलि दी जाएगी नागराज! और तेरे साथ-साथ इस पूरे कबीले की!

फेंगा... और सांगली! तुम लोग अपनों को ही मारना चाहते हो? क्यों?

क्योंकि तुम, बूढ़े तरक्की की राह में रोड़ा हो। अपनी शक्तियों से हम पूरी दुनिया पर राज कर सकते हैं। पर फिर भी इस जंगल में छिप कर रहते हैं।...

...तुम लोगों को मार कर ही हमारे सपने पूरे हो सकते हैं। अपने बाप डेंगा को तो मैंने 'हवन-जड़ी' खिलाकर रास्ते से हटाने की कोशिश की थी...

...ताकि देवता शिंगा का क्रोध उसे इस अपमान के लिए मौत के घाट उतार दे...

...पर तूने नागराज को यहां लाकर उसे बचा लिया।

इसीलिए अब मणि के माध्यम से मैं खुद ही ड्रेगन शिंग को जगाती हूं। और उसे आदेश देती हूं कि वह तुम सबका विनाश कर दे।
अगले ही पल-
यह क्या हो रहा है? पूरी जमीन कांप क्यों रही है?
महाड्रेगन शिंग इस बस्ती के नीचे रहता है नागराज! और अब वह...
...बाहर आ रहा है!
ड्रेगन शिंग ने बगैर एक पल का भी इन्तजार किए तबाही शुरू कर दी-
कुछ करो नागराज! वर्ना ड्रेगन शिंग देखते ही देखते पूरी बस्ती को राख कर देगा।
आपका छोटा ड्रेगन कहां है? वह इसका मुकाबला नहीं कर सकता क्या?
हमने उसे बांधकर रखा है नागराज!...
...वैसे भी वह इस दैत्य के सामने मच्छर के बराबर है!

तो फिर मैं ही कुछ करता हूं!
अब तेरी विष फुंकार कुछ और नहीं जला पाएगी शिंग! क्योंकि मैं उसे पानी की तरह पी जाऊंगा।...
हिस्स्स्स्स्स्स
शिंग को ऐसी चुनौती पहले कभी नहीं मिली थी। वह क्रोध से पागल हो उठा-
तड़ाक
और नागराज एक तेज थप्पड़ खाकर दूर जा गिरा-
ओह! समय रहते सिर हटा लेने के कारण यह वार मुझको पूरी तरह से लग नहीं पाया, तब यह हाल हुआ है। अगर यह वार मुझे लग गया होता, तो मेरा सिर धड़ से अलग हो गया होता। मैं इसकी शारीरिक शक्ति और उड़न शक्ति का मुकाबला नहीं कर सकता।
और इसकी इन दोनों शक्तियों को एक ही चीज से काटा जा सकता है। सर्प बंधनों से!
परन्तु मेरी सर्प रस्सी में जगह-जगह पर गांठें होती हैं। इसकी शक्ति उन गांठों को खोल डालेगी। मुझे विशेष नागफनी सर्पों की मदद लेनी होगी।
देव कालजयी ने नागराज को बताया था कि नागफनी सर्पों में कई विशेषताएं ऐसी हैं, जिनका पता नागराज को धीरे-धीरे स्वयं लग जाएगा।★
ऐसी ही एक खूबी का प्रयोग, नागराज आज कर रहा था-
उसकी कलाई से निकलने वाला नागफनी सर्प रबर की तरह लम्बा होता जा रहा था-

★ पढ़ें : नागपाशा

और ड्रेगन शिंग जिस 'कंटीली सर्प रस्सी' में बंध गया था, उसमें कोई जोड़ या गांठ नहीं थी-
हवा में उड़ता हुआ महाड्रेगन शिंग, पंख और शरीर बंध जाने के कारण, एक झटके से भूमि पर आ गिरा-
सांगली यह दृश्य देखकर बिलबिला उठी-
नागराज ने शिंग को बांध दिया है। उसका विनाश करना एकाएक रुक गया है।
अभी लो, सांगली! विनाश तो मेरा मनपसन्द काम है।
और याददाश्त वापस आ जाने के बाद विनाश करने में और भी मजा आ रहा है।
इसको तो मैं मणि की मदद से आजाद करवा ही लूंगी...
... तब तक तुम अपनी शक्तियों का प्रयोग करके इस विनाश को जारी रखो फेंग!
फेंग और शिंग का कहर टूटना जारी रहने के लिए नागराज का रास्ते से हटना बहुत जरूरी है।
सबसे पहले इसी को रास्ते से हटाया जाए। मणि की 'स्पर्श-किरणों' के जरिए।
नागराज के शरीर से किरणों का स्पर्श होते ही नागराज के विष का तीव्र स्तर, सामान्य स्तर पर उतरने लगा। और नागराज पर कमजोरी छाने लगी-
आह! सांगली एक बार फिर मुझ पर मणि का प्रयोग कर रही है।...

...और मुझ पर कमजोरी छा रही है। मैं कुछ ठीक से सोच भी नहीं पा रहा हूं।
अपनी ही परेशानी से जूझता हुआ नागराज यह नहीं देख पा रहा था...
...कि नागफनी सर्प के शिकंजे से छूटने के लिए तड़पता हुआ शिंग कामयाब हो रहा था-
नागराज! उठो नागराज! कुछ करो! शिंग आजाद हो रहा है। और उधर वह 'नागदन्त' अपनी शक्तियों का कहर बरसा रहा है।
मैं क्या करूं? मैं तो खुद ही... अरे!...
...जिन सर्पों को मैंने हवन कुंड की छानबीन के लिए भेजा था उनके मानसिक संकेत आ रहे हैं।
नागराज! हवन कुंड के अंदर से कई पतली-पतली सुरंगें जमीन के नीचे एक बड़ी सुरंग तक गई हुई हैं। ड्रेगन के रहने के चिन्ह इस बड़ी सुरंग में मौजूद हैं। और इन पतली सुरंगों की दीवारों पर जिस धुएं और कालिख की पर्तें जमा हैं...
...वह विषरोधी कालिख है।
विषरोधी! यानी जहर काटने वाली! यह कालिख इसी बूटी के अलावा और किसी चीज की नहीं हो सकती। इसी कारण जब हवन का धुआं पतली सुरंगों के जरिए शिंग तक पहुंचता होगा, तो वह शान्त हो जाता होगा!
डेंगा के शरीर में जहर, यही बूटी खाने से कम हो गया था। मेरी एक खामख्वाह की हरकत ने मुझे ड्रेगन शिंग को रोकने का रास्ता दिखा दिया है!
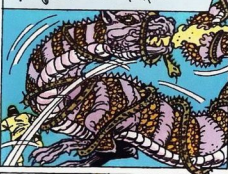
अगले ही पल- नागराज के दोनों हाथ बिजली की गति से घूमने लगे-

और बूटी के टुकड़े, तुरन्त ही आजाद हुए शिंग के जलते मुंह में घुसने लगे-

लगभग तुरन्त ही जड़ी का असर सामने आने लगा। शिंग पर जहर की मात्रा एकाएक कम होने के कारण सुस्ती और निद्रा छाने लगी-

नागराज ने शिंग को उठते ही फिर गिरा दिया-

धड़ाम
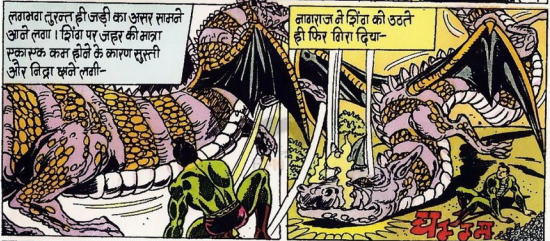
ओह! शिंग तो गया। लेकिन मैं तुझे जिन्दा नहीं छोड़ूंगी नागराज! इस बार 'स्पर्श-किरणों' को इस स्तर का बना दूंगी...

...कि ये तेरे जहर का स्तर सामान्य रखने के बजाय जहर को पूरी तरह नष्ट कर दें। ताकि जहर के साथ-साथ तू भी नष्ट हो जाए!

अब नहीं सांगली! अब नहीं! मैं 'सर्प अंबर' ले आया हूं!...

...यह तुम्हारी 'मणि' की स्पर्श किरणों का प्रभाव नष्ट कर देगा!
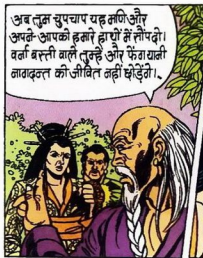
अब तुम चुपचाप यह मणि और अपने-आपको हमारे हाथों में सौंप दो। वर्ना बस्ती वाले तुम्हें और फेंग यानी नागदन्त को जीवित नहीं छोड़ेंगे।
जीवित तो मैं तुम लोगों को नहीं छोड़ूंगी। इस समय तुम लोगों का पलड़ा भारी है! ...
... पर मैं वापस आऊंगी। जरूर आऊंगी। इन्तजार करना तुम लोग सांगली नाम की मौत का!
अरे! ये दोनों तो फिर से धुंध में गायब हो रहे हैं।
मेरा 'सर्प अंबर' मणि की इस शक्ति की काट नहीं पा रहा है। मैं इनको रोक नहीं सकता।
सबके देखते-देखते सांगली और नागदन्त धुंध की पर्तों में गायब हो गए—
और फिर—
मेरी जान बचाने के लिए यहां आने का शुक्रिया नागराज!
धन्यवाद तो इनका अदा कीजिए।
अगर ये निशा की जबरदस्ती यहां न लाते तो शायद मैं भी यहां पर न आता!
पर आपका बेटा एक न एक दिन आपके पास जरूर आएगा मुन ची, और नागराज उसे वापस लाएगा! यह नागराज का वायदा है।
और फिर—
सब कुछ कितना रोमांचक था, नागराज! तुम कितने बहादुर और दयालु हो!
और एक वह राज है।...
... दयालु तो है, मगर डरपोक है।...
...पर मैं भी एक दिन उसको तुम्हारे जैसा ही बनाकर रहूंगी।

समाप्त.